Dainik Bhaskar (Indore), 27th November 2024, Page-05

आईआईटी इंदौर के दृष्टि फाउंडेशन ने एमसीटीई के लिए बनाई वायरलेस कम्युनिकेशन तकनीक

एक का प्रोटोटाइप तैयार और 4 पर शुरू करेंगे काम, हुआ समझौता

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) ने अपनी वायरलेस कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी विकसित करने के लिए आईआईटी इंदौर के इन्क्यूबेशन सेंटर दृष्टि साइबर फिजिकल सिस्टम फाउंडेशन के साथ समझौता किया है।

इस प्रोजेक्ट पर एमसीटीई दो साल से काम कर रहा था। इसे दृष्टि फाउंडेशन ने अपने एक स्टार्टअप को दिया, जिन्होंने इसे तैयार करते हुए प्रोटोटाइप बनाया। ये प्रोटोटाइप अब मिलिट्री के मानकों पर टेस्ट किया जा रहा है। अब दृष्टि फाउंडेशन इसी प्रकार की चार और टेक्नोलॉजी को बाजार में लाने में एमसीटीई की मदद करेगा। इसमें से एक टेक्नोलॉजी आर्मी की शूटिंग रेंज में शूटर्स को बेहतर प्रशिक्षण देने के काम आ सकती है। इसके लिए दृष्टि फाउंडेशन मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन पार्टनर भी ढूंढेगा और फंडिंग लाते हुए इसे अन्य शूटिंग रेंज को बेचेगा।

दृष्टि सीपीएस के सीईओ आदित्य व्यास ने बताया कि समझौता 5 साल का है। इस दौरान हम उन सभी तकनीकों को विकसित करने में एमसीटीई की मदद करेंगे, जिन पर उन्हें काम करने में संसाधनों की कमी महसूस हो रही थी। अगर किसी टेक्नोलॉजी को पेटेंट मिलता है तो उस के अधिकार दोनों संस्थाओं के पास होंगे। एमसीटीई को डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के और भी किसी इन्क्यूबेशन सेंटर या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से किसी विशेष क्षेत्र से जुड़ी सहायता चाहिए होगी तो वो उनसे दृष्टि के माध्यम से जुड़ सकते हैं और अपनी टेक्नोलॉजी को विकसित कर सकते हैं। समझौते पर हस्ताक्षर लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवस और दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रोफेसर भूपेश कुमार लाड ने किए।